अल्पसंख्यकों की सहायता के लिए सूचना बैंक की वेबसाइट पर दी गई है। इस समय हम दो योजनाओं को लक्ष्य करके चल रहे हैं - एसबीआई टेलेंट अवार्ड योजना और अल्पसंख्यक बहुल जिलों में हमारी शाखाओं में बालिकाओं को गोद लेने की योजना।

च.कारपोरेट कार्यनीति एवं नये व्यवसाय

वित्तीय सेवा क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखने के लिए बैंक द्वारा संस्था स्तर पर अभिनव प्रयास और परिवर्तन किए जा रहें हैं। इस पृष्ठभूमि के तहत उभरते अवसरों को शीघ्र पहचानने और उनपर कार्रवाई करने हेतु बैंक द्वारा वर्ष 2006 में उप प्रबंध निदेशक (कारपोरेट कार्यनीति और नव व्यवसाय) का पद सृजित किया गया। पिछले डेढ़ वर्षो के दौरान बैंक द्वारा लेने के लिए नया व्यवसाय प्रयास शुरू किए गए।

च.1 पेंशन निधि व्यवसाय

पी एफ आर डी ए द्वारा भारत सरकार की नई पेंशन प्रणाली के तहत केंद्र व राज्य सरकार के कर्मचारियों की पेंशन निधि को प्रबंधित करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक को पेंशन निधि प्रबंधक का प्रायोजक नियुक्त किया गया है। नई पेंशन प्रणाली के अंतर्गत पेंशन निधि के प्रबंधन हेतु एसबीआई पेंशन निधि प्राइवेट लिमिटेड नाम से एसबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी शुरू की गई है। पेंशन निधि समूह में कंपनी को सवार्धिक (55%) शेयर आबंटित किया गया है।

च.2 वित्तीय योजना और परामर्शक सेवाएं :

वित्तीय योजना और परामर्शक सेवा पहल बैंक एवं अति समृध्द तथा उच्च मालियत वाले ग्राहकों के बीच विद्यमान संबंधों को गहरा बनाने तथा विभिन्न उत्पादों/उपायों के माध्यम से उनकी आस्तियों को प्रबंधित करने के लिए है। हमारे संपर्क अधिकारी ग्राहकों को उनकी सुरक्षा जरुरतों को पूरा करने कर-योजना, सेवानिवृत्ति और रीयल इस्टेट में निवेश योजना द्वारा विभिन्न वर्ग की आस्तियों में निवेश करने हेतु सलाह देंगे। भविष्य को ध्यान में रखकर मार्च 2009 तक संपत्ति प्रबंधन सेवा शुरू करने और मार्च 2012 तक निजी बैंकिंग शुरू करने की योजना है।

च.4 मोबाइल बैंकिंग :

मोबाइलों के प्रोद्भवन से आधारभूत बैंकिंग सेवाएं एवं कम मूल्यवाली ई-कॉमर्स सेवाएं प्रदान करने हेतु नए मार्ग प्रशस्त हुए हैं। व्यापक संभावनाओं एवं लागत प्रभावशीलता को ध्यान में रखते हुए बैंक ने मोबाइल फोन आधारित बैंकिंग सेवाएं प्रारंभ करने का निर्णय किया है। इस सेवा को वर्ष 2008-09 की प्रथम तिमाही की समाप्ति से पूर्व प्रारंभ करने की योजना है।

च.5 निजी ईक्विटी

बैंक ने एक नए प्रमुख व्यवसाय के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में निजी ईक्विटी का निर्धारण किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था विशेषकर प्रौद्योगिकी, फार्मा, हेल्थ केयर, स्थावर संपदा एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे संवर्धनशील क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विस्तार के फलस्वरूप ईक्विटी निधीयन जिससे सतत रूप से बेहतर प्रतिफल प्राप्त होता रहा है, के व्यापक सुअवसर उत्पन्न हुए हैं। बैंक, विभिन्न ईक्विटी फंडों का गठन करने की दृष्टि से पूर्ण तैयारी कर चुका है। विनियामक अनुमोदन प्रक्रिया एवं संयुक्त उपक्रम का गठन लागू किए जाने की प्रक्रिया में है तथा वित्तीय वर्ष की प्रथम छमाही के अंत तक कुछ फंड जारी कर दिए जाने की संभावना है।

च.6 अभिरक्षा सेवाएँ

देशी एवं विदेशी निवेशकों द्वारा किए जाने वाले प्रतिभूति लेनदेनों में हो रही वृद्धि के परिणामस्वरूप व्यापक अभिरक्षा सेवाएं प्रदान करने संबंधी मांग में वृद्धि हुई है। तदनुरूप बैंक ने देशी अभिरक्षा के क्षेत्र में अपनी वर्तमान क्षमता को विस्तारित करने का निर्णय किया है एवं एक अग्रणी विश्वस्तरीय अभिरक्षक के सहयोग से एक नए व्यवसाय के रूप में इन सेवाओं को प्रदान करने का निर्णय किया है। संयुक्त उद्यम के गठन की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। अभिरक्षा (स्थानीय एवं विदेशी संस्थागत) एवं निक्षेपागार सेवाओं के अतिरिक्त संयुक्त उपक्रम द्वारा संपूर्णत: एसटीपी एवं वेबयुक्त परिवेश में निधि प्रशासन एवं प्रतिभूति ऋणान्वयन एवं उधारी सेवाओं जैसी अन्य मूल्ययोजित सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

च. 7 गैर-जीवन बीमा:

एसबीआइ लाइफ जहां एक ओर संरक्षण सेवाओं के अंतर्गत आंशिक सेवाएं प्रदान कर रहा है, वहीं साधारण बीमा उत्पादों को समाहित किए जाने के फलस्वरूप बीमा क्षेत्र से संबद्ध प्रदान की जाने वाली सेवाएं परिपूर्ण हो सकेंगी। परिणामत: हमारे व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से किए जाने वाले ग्राहक व्यवसाय में प्रचुर वृद्धि हो सकेगी एवं बैंक की छवि में और भी सुधार हो सकेगा। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए बैंक संयुक्त उद्यम के माध्यम से साधारण बीमा व्यवसाय से जुड़े शीर्षतम तीन प्रतिद्वंद्वियों में अपना स्थान सुनिश्चित करना चाहता है। यह आशा की जाती है कि संयुक्त उद्यम भागीदार का शीघ्र ही चयन कर लिया जाएगा एवं जून 08 को समाप्त हो रही तिमाही के दौरान समझौता ज्ञापन/नियत अनुबंध पर हस्ताक्षर कर लिए जाएंगे। इस प्रक्रिया के पश्चात बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण एवं भा.रि.बैं से संपर्क किया जाएगा। यह आशा की जाती है कि वर्ष के अंत तक यह व्यवसाय प्रारंभ हो जाएगा।

च.8 वाणिज्यिक अभिग्रहण व्यवसाय

विभिन्न प्रकार के काडों के उपयोग में हो रही वृद्धि की दृष्टि से काफी व्यावसायिक संभावनाएँ उत्पन्न हुई हैं। हम अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्को के अनुरूप सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों एवं सेवाओं का प्रयोग करते हुए एक संयुक्त उद्यम अनुषंगी के माध्यम से वाणिज्यिक अभिग्रहण व्यवसाय में उतरने की प्रक्रिया में है। आशा की जाती है कि आगामी कुछ वर्षो के दौरान इस व्यवसाय में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। बाजार में उक्त संयुक्त उद्यम की अग्रणी स्थिति होगी।

Information on assistance to Minorities has been put up on our Bank's Website. We are now targeting two schemes- SBI Talent Awards' Scheme and Adoption of a Girl Child Scheme, at our branches in MCDs.

F. CORPORATE STRATEGY & NEW BUSINESSES

In order to maintain our premier position in the financial services arena the Bank has institutionalized innovation and change. Against this backdrop, and in order to quickly identify and respond to emerging opportunities the Bank created the position of Dy Managing Director (Corporate Strategy & New Businesses) in the year 2006. During the last one and a half year, various new business initiatives have been undertaken by the Bank, as under:

F.1. Pension Fund Business:

State Bank of India has been appointed as a sponsor of Pension Fund Manager (PFM) by PFRDA to manage the pension funds of Central and State Govt. employees under New Pension System (NPS) of Govt. of India. SBI Pension Funds Pvt. Ltd. has been incorporated as a wholly owned subsidiary of State Bank of India to manage the pension funds under NPS. The Company has been allocated the largest share (55%) in the pension fund corpus.

F.2. Financial Planning and Advisory Services (FP&AS):

Financial Planning and Advisory Services initiative is focused on deepening the existing relationship of the Bank with mass affluent and high-end customers and help them in managing their assets through a mix of products/strategies. Our relationship managers will advise the customers to meet their needs of protection, invest in various classes of assets through investment planning, tax planning, retirement and real estate plans. Going forward, we plan to commence wealth management services by March 2009 and further introduce private banking by March 2012.

F.4. Mobile Banking:

The proliferation of mobiles has led to the emergence of a new channel for the delivery of basic banking services and small value e-commerce services. Considering the immense potential and the cost effectiveness of delivery, the Bank has decided to introduce mobile telephone based banking services which we plan to commence before the end of the first quarter of 2008-09.

F.5. Private Equity:

The Bank has identified private equity in different areas as a key new business. The rapid expansion of Indian economy, especially in growth sectors like Technology, Pharma, Health Care, Realty and Infrastructure, has opened up large opportunities of equity funding which have continuously shown superior returns. The Bank is at an advanced stage of preparedness for setting up various equity funds. Regulatory approval processes and JV formation are under implementation and a few funds are expected to be floated by the end of first half of the financial year.

F.6. Custodial Services:

With increasing securities transactions originating from domestic and foreign investors, there is an excellent demand for providing full range of custodial services. Accordingly, the bank has decided to expand its present capabilities in the domestic custody and offer these services as a new business in collaboration with a leading global custodian. The process of forming the Joint Venture is at an advanced stage. In addition to Custody (local and foreign institutional) & Depository services the JV would provide other value added services like Fund administration and securities lending and borrowing services on a full-fledged Straight Through Processes (STP) and web enabled environment.

F.7. Non- Life Insurance:

While SBI LIfe is meeting a part of the requirements under Protection Services, the insurance offering bouquet will be complete with the inclusion of General Insurance products, greatly enhancing the customer value proposition at our vast branch network and enhancing the brand value of the Bank. With this end in view the Bank has decided to enter General Insurance Business through the joint venture route. The Bank aspires to be amongst the top 3 players in the General Insurance space within a period of 10 years. It is expected that the JV partner will be identified shortly and MOU/ Definitive Agreement(s) will be signed during the quarter ending June '08. After this process, Insurance Regulators (IRDA) and RBI will be approached for seeking regulatory clearances. We anticipate the start of the business by the year end.

F.8. Merchant Acquisition Business:

The increase in usage of cards of various kinds provides huge opportunities. We are in the process of entering merchant acquisition services through a Joint Venture subsidiary in order to bring in the best practices and services at par with international benchmarks. We expect this business to grow substantially over the next few years and achieve market leadership position.